

THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
B.A. (Hons./Research) Hindi SEMESTER - I : COURSE DESCRIPTION
August to December - 2026

Course title	हिंदी साहित्य का इतिहास- प्राचीनकाल से भक्तिकाल तक History of Hindi Literature (From Ancient to Bhakti Kaal)
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : BAHINC - 101
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for BA courses only)
Day/Time	Thursday 9:00 am to 11:00 am & Tuesday 11:00 am to 1:00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod
Course description	Include the following in the course description i) इस प्रश्नपत्र में साहित्य के कालों के नामकरण, विभाजन प्रवृत्तियों युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक विश्लेषणों के आधार पर छात्रों में साहित्य विवेक के साथ ही इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना है। ii) उद्देश्य : ■ भाषा, साहित्य एवं इतिहास के अर्तसंबंधों पर विद्यार्थी की योग्यता को विकसित करना । ■ हिंदी साहित्य का इतिहास के महत्व एवं काल विभाजन की जानकारी प्राप्त होगी। ■ हिंदी साहित्य की परम्परा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों से परिचित कराना । ■ छात्रों में साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना है । पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) : ■ इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से हिन्दी भाषा के उद्भव की प्रारम्भिक अवस्थाओं / स्थितियों के साथ-साथ हिन्दी साहित्य के स्वरूप का परिचय मिलेगा। ■ भारतीय साहित्य की परम्पराओं से हिन्दी साहित्य को विरासत के रूप में साहित्य और संस्कृति की कौन-कौन-सी प्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई, इसकी जानकारी प्राप्त होगी । ■ इस काल खण्ड में आदिकालीन, भक्तिकाल तथा रीतिकाल के साथ-साथ परिवेशगत विशेषताओं के फलस्वरूप जिस गंगा-जमुनी भारतीय संस्कृति का प्रार्दुभाव हुआ, उसका ज्ञान विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से होगा । iii) Learning Outcomes: a) <u>डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)</u> • हिन्दी साहित्य के आदिकाल से भक्तिकाल तक की विशेषताओं को समझ सकेंगे । • आदिकाल से भक्तिकाल के प्रमुख प्रवृत्तियों एवं परिस्थितियों को जान पायेंगे । • इस काल के प्रमुख कवियों एवं उनके रचनात्मक योगदान से परिचित हो सकेंगे । • आदिकाल से भक्तिकाल तक के साहित्यिक विकास यात्रा को व्यवस्थित रूप से समझ सकेंगे । • साहित्येतिहास की समझ विकसित कर पायेंगे । • आदिकाल, भक्तिकाल की परंपरा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों को पूर्णतः समझने में सक्षम होंगे । इकाई-1:-

	- हिन्दी साहित्य का आदिकाल, नामकरण, प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ। इकाई-2:- - भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ, संत एवं सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ, प्रमुख भक्तिकालीन संत एवं सूफी कवियों के प्रमुख ग्रंथ और उनका योगदान। इकाई-3:- - रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रमुख कवि, उनके काव्य ग्रंथ और उनका योगदान।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning - आदिकाल पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ। - भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading: - शुक्ल, रामचन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019 - द्विवेदी हजारीप्रसाद : हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई 1940 Additional reading: - डॉ. नगेन्द्र : (संपा), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976 - भटनागर, डॉ रामरतन : प्राचीन हिन्दी काव्य, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग 1952 - त्रिपाठी, डॉ. विश्वनाथ : हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएण्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन, नई दिल्ली

Course title	आदिकालीन एवं निर्गुण हिन्दी काव्य ANCIENT AND NIRGUNA HINDI POETRY
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : BAHINC - 105
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for BA courses only)
Day/Time	Tuesday 09:00 am to 11:00 am, Monday 11:00 am to 01:00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav(GF)
Course description	Include the following in the course description i) छात्र को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन, निर्गुण हिंदी काव्यगत संवेदना, उनकी सृजन-भूमि एवं भाषा वैशिष्ट्य से परिचित करना। ii) उद्देश्य : - विद्यार्थियों में आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण हिंदी काव्य-दृष्टि को विकसित करना। - आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण काव्य के कवियों का अध्ययन एवं उनकी कविताओं तथा युग बोध की समझ विकसित करना। - पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य एवं लोक-भाषा के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना।

	● भक्ति कविता के अखिल भारतीय स्वरूप से परिचय कराकर राष्ट्रीय बोध विकसित करना। पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) : ● हिंदी साहित्य के आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य से अवगत करना। ● निर्गुण भक्ति काव्य के अंतर्गत - संत काव्य के प्रमुख कवियों कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना। ● भक्ति काल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा। iii) Learning Outcomes: a) <u>डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)</u> ● आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों, सामाजिक परिस्थितियों तथा भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। ● आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण हिंदी काव्य-बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समझ को विकसित कर सकेंगे। ● आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण हिंदी काव्य की संवेदना, संदेश एवं समीक्षा की क्षमता को बढ़ा पाएंगे। ● आदिकालीन एवं भक्तिकालीन निर्गुण हिंदी काव्य के माध्यम से ऐतिहासिक पक्ष को समझ पाएंगे। इकाई-1:- ● सरहपा ● पृथ्वीराज रासो – चंदबरदाई ● विद्यापति इकाई-2 :- ● कबीरदास ● मलिक मुहम्मद जायसी ● रैदास इकाई-3 :- चयनित कविताएँ का व्याख्या एवं विश्लेषण ● सरहपा (हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग, डॉ. नामवर सिंह) पुस्तक में संकलित सरहपा के प्रारंभ के पाँच पद। ● पृथ्वीराज रासो का कयमास वध (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी और नामवर सिंह), प्रारंभ के 10 छंद ● रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा संपादित पुस्तक, 'विद्यापति पदावली' से कुल पाँच पद। ● पद सं. 2, 3, 10, 11, 263 ● श्यामसुंदर दास द्वारा संपादित 'कबीर ग्रंथावली' से कुल 10 पद (बिरह कौ अंग और गुरुदेव कौ अंग) से। ● 'बिरह कौ अंग' से पद सं. 1,7,8,13,45 ● 'गुरुदेव कौ अंग' से पद सं. 2,4,11,14,33 ● जायसी ग्रंथावली, सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित पुस्तक से ('नागमति वियोग खण्ड' के प्रारंभ के पाँच कडवक।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning:

	● सरहपा (हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग, डॉ. नामवर सिंह) पुस्तक में संकलित सरहपा के प्रारंभ के पाँच पदा ● पृथ्वीराज रासो का कयमास वध (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी और नामवर सिंह), प्रारंभ के 10 छंद । ● चयनित कविताएँ का व्याख्या एवं विश्लेषण ।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading 1. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई 1946। 2. पाठक, शिवसहाय मलिक, मुहम्मद जायसी और हिन्दी काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद। 3. शुक्ल, रामचन्द्र, जायसी ग्रंथावली Additional reading: संदर्भ ग्रंथ 4. त्रिपाठी, रामनरेश, तुलसी और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग 1937। 5. वाजपेयी, नन्ददुलारे, सूर संदर्भ, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।

Course title	हिंदी कहानी HINDI FICTION
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : BAHINC - 110
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for BA courses only)
Day/Time	Monday 09:00 am to 11.00 am & Wednesday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	Include the following in the course description: i) हिंदी भाषा एवं संस्कृति के माध्यम से कहानियों के द्वारा परिवर्तनकारी यात्रा से अवगत कराना है । ii) उद्देश्य: ● कथा सृष्टि के स्वरूप की समझ विकसित करना । ● विद्यार्थियों को रचनात्मक और कथा आस्वादन से परिचित कराना । ● कहानी के तत्व, स्वरूप एवं विकास की विकसित करना । ● कहानी के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना । पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) : ● कहानी की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि एवं विकास क्रम का परिचय प्राप्त करेंगे। ● कहानी की शिल्पगत विविधता एवं आधिपत्य क्षमता से परिचित होंगे। ● इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से मानव जीवन और समाज से जुड़े उपर्युक्त सभी पक्षों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। iii) Learning Outcomes : a) <u>डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement)</u> ● इस प्रश्नपत्र से कथा साहित्य की समझ को विकसित करना।

	● हिंदी कहानी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित हो पाएंगे। ● कथा साहित्य के ऐतिहासिक विकास क्रम महत्व एवं मूल्यांकन करने की क्षमता को विकसित कर पाएंगे। ● चयनित कहानियों के माध्यम से सामाजिक चिंतन की समझ बढ़ेगी। ● कहानियों के माध्यम से लैंगिक असमानता, मानवीय मूल्य एवं सामाजिक भेदभाव के प्रति जागरूक होंगे। ● व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में कहानियों की भूमिका को समझ सकेंगे। इकाई-1 ● हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास ● प्रेमचंदपूर्व कहानी ● प्रेमचंदोत्तर कहानी ● समकालीन कहानी इकाई- 2 :- चयनित कहानियों की व्याख्या एवं विश्लेषण ● चयनित कहानियाँ : ● सवा सेर गेहूँ - प्रेमचंद ● पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद ● फूलों का कुर्ता - यशपाल ● चीफ़ की दावत - भीष्म साहनी ● मारे गए गुलफाम उर्फ तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ 'रेणु' ● मांस का दरिया - कमलेश्वर ● वापसी - उषा प्रियम्बदा ● पिता - ज्ञानरंजन
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास ● चयनित कहानियों की व्याख्या एवं विश्लेषण
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : संदर्भ ग्रंथ ● राय, गोपाल : हिन्दी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2014 ● मधुशेखर : हिन्दी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली 2014 Additional reading : संदर्भ ग्रंथ ● तिवारी, रामचन्द्र : हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019 ● चतुर्वेदी, रामस्वरूप : गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रयागराज, 2018 ● प्रेमचंद : मानसरोवर ● सिंह, बच्चन : प्रतिनिधि कहानियाँ

Course title	हिंदी भाषा और साहित्य: रचनात्मक लेखन HINDI LANGUAGE AND LITERATURE: CREATIVE WRITING
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : BAHINC 115
Semester	I
Number of credits	03
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for BA courses only)
Day/Time	Wednesday 09.00 am to 11.00 am, Friday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	Include the following in the course description: i) छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य में सृजनात्मक लेखन की दिशा में अपनी क्षमताओं को विकसित कर पाएंगे। ii) उद्देश्य : ● सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा। ● लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति द्वारा विद्यार्थियों में प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी। ● विद्यार्थी अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास कर पाएगा। ● सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों को अपने विचारों को व्यवस्थित और अभिव्यक्त करने में मदद करता है। सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति को बढ़ावा देता है। ● सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों को आत्मभिव्यक्ति का अवसर प्रदान कर अकादमिक लेखन में भी सुधार करने में मदद करता है। पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) : ● सृजनात्मक और भाषायी कौशल का परिचय कराते हुए, विचारों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण का विकास होगा। ● सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता को विकसित कर मीडिया लेखन की समझ विकसित करना। ● सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दावली और शैली से परिचित कराता है। सृजनात्मक लेखन विद्यार्थियों को साहित्यिक ज्ञान में वृद्धि में मदद करता है। ● आत्मविश्वास में वृद्धि के साथ – साथ विद्यार्थी अपनी भाषिक और साहित्यिक क्षमताओं को विकसित करेंगे। iii) Learning Outcomes : c) <u>स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) <u>एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient)</u></u> ● विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन के सिद्धांतों की समझ विकसित कर उसका अनुप्रयोग कर सकेंगे। ● रोजगार के असीम संभावनाएँ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से बनती हैं। ● सृजनात्मक लेखन से छात्रों में भाषाई दक्षता एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलेगा। ● रोजगार के सभी क्षेत्रों में व्यक्तित्व निर्माण में सृजनात्मक लेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इकाई-1 ● सृजनात्मक लेखन: अर्थ, स्वरूप और बोध ● सृजनात्मक लेखन और परिवेश संदर्भ ● सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

	इकाई - II ● सृजनात्मक लेखन: भाषिक संदर्भ ● भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण ● साहित्यिक भाषा की विभिन्न छवियाँ ● प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भाषा का अंतर इकाई - III ● सृजनात्मक लेखन – विविध आयाम ● कविता, गीत, लघु कथा ● हास्य - व्यंग्य लेखन
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: ● सृजनात्मक लेखन: अर्थ, स्वरूप और बोधा ● सृजनात्मक लेखन: भाषिक संदर्भ ● सृजनात्मक लेखन – विविध आयाम
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading: संदर्भ ग्रंथ ● मिश्र, रामचंद्र : शैली ● गौतम, रमेश : सं. रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण 2008 ● श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ : सृजनात्मक साहित्य Additional reading : संदर्भ ग्रंथ ● प्रतिमा, भारद्वाज प्रवीण, रचनात्मक लेखन । ● जोशी, ललित चंद्र, सृजनात्मक लेखन । ● मिश्र, राजेंद्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन ।

y/Bumi